an>

Title: Need to accord approval to set up cancer centre in Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय उपाध्यक्ष जी, आपको विदित है कि उत्तराखंड को भारत का भाल कहते हैं। यह देश की संस्कृति का प्राण है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री-यमनोत्री, हेमुकुंट साहेब और पिरान कलियार चार धाम हैं। दुनिया के विभिन्न देशों से लोग हरिद्वार, गंगा को स्पर्श करने और स्नान करने के लिए आते हैं। यह धरती का स्वर्ग भी कहलाता है। यहां करोड़ों पर्यटक आते हैं। वर्ष 2010 के महाकुंभ में मुख्यमंत्री होने के नाते मुझे उस आयोजन को सम्पन्न करने का सौभाग्य मिला था। 150 से अधिक देशों के साढ़े आठ करोड़ लोग हरिद्वार गंगा स्नान के लिए आए थे। इसके प्रबंधन से ही इसे नोबल पुरस्कार के लिए नामित किया था। जब कांवड़ की भीड़ होती है तो प्रतिदिन 25 लाख से 30 लाख, एक करोड़ से दो करोड़ तक लोग आते हैं। इससे स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो जाता है। यातायात की स्थिति बहुत खराब हो जाती है क्योंकि घंटों जाम लग जाता है। मेरा निवेदन है कि दुनिया की आध्यात्मिक राजधानी हरिद्वार में सभी राजधानियों से ट्रेन की व्यवस्था की जाए क्योंकि कुंभ आने वाला है। रुड़की से हरिद्वार और ऋषिकेश तक मैट्रो या मोनो रेल का वैकल्पिक मार्ग होना चाहिए नहीं तो बहुत कठिनाई हो जाएगी।

श्रीमन्, मेरा यह भी निवेदन है कि एन.एच. 58 और एन.एच. 72 की स्थिति तीन वर्षों से हरिद्वार और देहरादून तक बहुत ही खराब है। एन.एच. 72 को फोर लेन होना था, जो कि अभी तक नहीं हो पाया है। मुस्तफानगर, हरिद्वार, रूडकी के लिए जो वैकल्पिक मार्ग है, उसकी भी वही हालत है, लक्सर वाला वैकल्पिक मार्ग भी अभी तक नहीं बना है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। कुंभ आने वाला है, इसलिए इन वैकल्पिक मार्गों की स्थिति बेहतर करने की जरूरत है। वहाँ प मोनो रेल चालन सुनिश्चित किया जाए, जितने पुल बनने हैं, उनको बनाया जाए।